

रातुल वि. (तत्.) रक्तालु लाल रंग का, रक्तिम, सुख।

रातों-रात क्रि.वि. (देश.) 1. एक ही रात्रि में 2. रात्रि-प्रति-रात्रि, कई रातों तक लगातार।

रात्रि स्त्री. (तत्.) रात, निशा, रजनी, सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक का समय, यामिनी।

रात्रिचारी वि. (तत्.) 1. रात्रिचर, रात्रि में सक्रिय रहने वाला प्राणी जैसे- चमगादड़, उल्लू आदि 2. रात्रि में घूमने वाला मनुष्य 3. राक्षस, निशाचर 4. चोर, डाकू 5. भूत-प्रेत।

राद्धांतिका स्त्री. (तत्.) हठधर्मिता, हठधर्मी।

राद्धांत पुं. (देश.) हठपूर्वक स्थापित धर्म या संप्रदायगत मत, असंगत धार्मिक विश्वास का कट्टरपन, जो मताग्रहपूर्ण हो, हठ धर्मितावाला धर्म सिद्धांत।

राध/रांधा पुं. (अर.) पड़ोस, समीप, निकट, पुं. (तत्.) संपत्ति।

राधन पुं. (तत्.) 1. साधना, साधने की क्रिया 2. प्राप्ति 3. तुष्टि 4. काम पूरा करने का साधन 5. उपकरण, औजार, साधन।

राधा स्त्री. (तत्.) 1. बरसाना, उत्तर प्रदेश में वृषभानु तथा कीर्ति के घर उत्पन्न कन्या जिन्हें कृष्ण की अनन्य सखी माना जाता है, वैष्णव संप्रदाय के अनुसार उन्हें लक्ष्मी का अवतार, प्रकृति, ब्रह्मशक्ति का रूप माना जाता है, राधा को कृष्ण से अभिन्न माना गया है 2. प्रेम, अनुराग 3. विसाखा नक्षत्र 4. बिजली 5. आह्लादिनी शक्ति 6. वैशाखी पूर्णिमा 7. सफलता काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः रगण, तगण, मगण, यगण और गुरु (र त म य ग) के योग से 13 वर्ण होते हैं तथा 8-5 पर यति होती है।

राधा-रमण पुं. (तत्.) 1. राधा-प्रिय, श्रीकृष्ण, राधावल्लभ 2. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः दो नगण, भगण और सगण (न न म स) के योग से 12 वर्ण होते हैं।

राधाष्टमी स्त्री. (तत्.) राधा की जन्म तिथि जो भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी को आती है।

राधास्वामी पुं. (तत्.) 1. राधा का स्वामी, पति, श्रीकृष्ण 2. निर्गुण योग मार्ग का एक आधुनिक धर्म संप्रदाय जिसका प्रधान केंद्र आगरा (उ.प्र.) में है बाद में इसकी तीन गद्दियाँ व्यास, तरनतारन और दिल्ली में स्थापित की गई है।

राधिका स्त्री. (तत्.) कृष्ण प्रिया राधा काव्य. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 22 मात्राएँ होती हैं तथा 13-9 पर यति होती है, लवनी छंद।

राधेय पुं. (तत्.) 1. राधा पुत्र 2. परंतु यह कृष्ण जी की राधा का पुत्र नहीं बल्कि हस्तिनापुर के सारथी अधिरथ की पत्नी राधा द्वारा पालित पोषित पुत्र कर्ण के लिए प्रयुक्त शब्द है, महारथी कर्ण।

राध्य वि. (तत्.) आराध्य, पूजायोग्य, आराधना योग्य, उपास्य, पूज्य, अर्चना योग्य।

रान स्त्री. (फा.) जंघा, जांघ।

रानी स्त्री. (तद्.) 1. राजा की पत्नी 2. शाकस स्त्री, स्वामिनी, मालकिन प्राणी. मधुमक्खी चींटी, दीमक आदि कीटों में स्त्री कीट जो अपनी बस्ती में अकेले अंडे देने वाली होती है, रानी मक्खी।

रानी काजर/रानी काजल पुं. (देश.) एक प्रकार का धान, धान की एक किस्म।

रानी-मक्खी स्त्री. (देश.) मधुमक्खियों की रानी, मधुमक्खियों की सामाजिक व्यवस्था में केवल रानी ही अंडे देती है।

रापड़ पुं. (देश.) बंजर भूमि, अनुपजाऊ भूमि।

रापी स्त्री. (देश.) चर्मकारों द्वारा चमड़ा साफ करने और काटने का एक औजार जो आकार में खुरपी जैसा लगता है।

राब स्त्री. (तद्.) औटाकर गाढ़ा किया हुआ गन्ने का रस जो पिघले गुड़ की तरह लगता है।